सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 7 OCTOBER TO 13 OCTOBER 2020 • VOLUME- 11 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay money after the visa

IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA

U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

कृषि कानून: राहुल गांधी का ट्रैक्टर काफिला पंजाब से हरियाणा में दाखिल हुआ

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कृषि कानूनों के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी का प्रदर्शन जारी है. राहुल गांधी का काफिला पंजाब से हरियाणा में प्रवेश कर चुका है. इससे पहले पुलिस ने उनके काफिले को रोक दिया था. इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी धरने पर बैठ गए. इसके कुछ देर बाद राहुल गांधी का काफिला हरियाणा में दाखिल हुआ।

राहुल गांधी के साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुलदीप बिश्नोई और कुमारी सैलजा समेत कई नेता मौजूद हैं. जिस वक्त ट्रैक्टर हरियाणा की सीमा में प्रवेश किया कुमारी सैलजा ट्रैक्टर चला रही थीं।

राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, उन्होंने (हरियाणा सरकार) हमें हरियाणा सीमा पर एक पुल पर रोक दिया है. मैं आगे नहीं बढ़ रहा हूं

और यहां इंतजार कर खुश हूं. 1 घंटे, 5 घंटे, 24 घंटे, 100 घंटे, 1000 घंटे या 5000 घंटे।

इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पटियाला में आरोप लगाया कि कृषि संबंधी तीन 'काले कानूनों' से खाद्य सुरक्षा की व्यवस्था नष्ट हो जाएगी।

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन कानूनों के जरिए अपने कुछ पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

गांधी ने कहा, ''ये जो तीनों कानून बनाए गए हैं वो खाद्य सुरक्षा की मौजूदा व्यवस्था को नष्ट करने का प्रयास है.'' कांग्रेस नेता के मुताबिक, इन कानूनों से पंजाब और हरियाणा पर सबसे ज्यादा विपरीत असर होगा।

उन्होंने कहा, '' पहले नोटबंदी की गई और जीएसटी लागू किया गया. इससे छोटे एवं मध्यम कारोबार नष्ट हो गए. सरकार ने कोई मदद नहीं की.''

राहुल गांधी ने कहा, ''देश में खाद्य सुरक्षा की एक व्यवस्था है. अगर यह टूट गई तो सिर्फ किसानों को नहीं, बल्कि सभी लोगों को नुकसान होगा।''

बिहार चुनाव

बीजेपी और जेडीयू में हुआ सीटों का बंटवारा, जेडीयू 122 तो बीजेपी 121 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

■ बिहार/ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रेस वार्ता में सीटों का ऐलान किया। उन्होंने बताया कि जेडीयू के हिस्से में 122 सीटें आई हैं। जिनमें से वह जीतन राम मांझी की हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा को 7 सीटें देंगी। जबकि भाजपा को 121 सीटें मिली हैं। जेडीयू 122 सीटों में से हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा को 7 सीटें देंगी। जिसका मतलब है कि जेडीयू 115 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। प्रेस वार्ता में नीतीश कुमार ने बताया कि भाजपा के हिस्से में 121 सीटें आई हैं और इसी में वह वीआईपी पार्टी को हिस्सा देगी। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि इसमें कोई

संदेह नहीं है कि नीतीश कुमार बिहार में हमारे नेता हैं और लोजपा केंद्र में हमारी सहयोगी है। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की जद(यू) के साथ उनका गठबंधन अटूट है। चुनाव से पहले एनडीए का हिस्सा रही लोक जनशक्ति पार्टी अकेले विधानसभा चुनाव लड़ेगी। लोजपा अध्यक्ष चिराग पासवान ने साफ कर दिया था कि वह नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव नहीं लड़ेंगे। जबकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने साफ कर दिया कि भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाएगी।

स्वच्छ भारत मिशन सिर्फ कागज़ों में नज़र आता है

■ जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट जिसको उन्होंने महात्मा गाँधी के देखे हुए सपने को पूरा करने के लिए इस प्रोजेक्ट को अपने पिछले कार्यालय में शुरू किया था पर इसकी हकीकत सिर्फ नेताओं ने इसको अपनी राजनीति चमकाने का जरिया बना लिया जिसमें वो अपने चंद साथिओं के साथ साल में एक दो बार सोशल मीडिया पर मात्र दिखावे के लिए या स्वछता सर्वे के लिए कुछ दिनों का यह दिखावा करते हुए 6 साल हो गए परन्तु आज भी जालंधर के हर कोने में आपको और नैशनल हाईवे पर हर तरफ आपको गंदगी नज़र आएगी। कभी नगर-निगम शौच मुक्त होने के दावे करता और कभी खुले में कूड़ा ले जाने पर रोक लगता है और अब कम्पोसिट पिट बनाने के काम करवा रहा है परन्तु परिणाम कोई भी निकलता लोग आज भी सरकार के एम-सेवा पर रोज़ाना शिकायतें दर्ज कराते है परन्तु उसका कोई असर नहीं है और सर्वे टीम के तौर तारीखे पर सवाल निशान खड़े हो जाते की उनका कौन सा फार्मूला है सर्वे करने का।

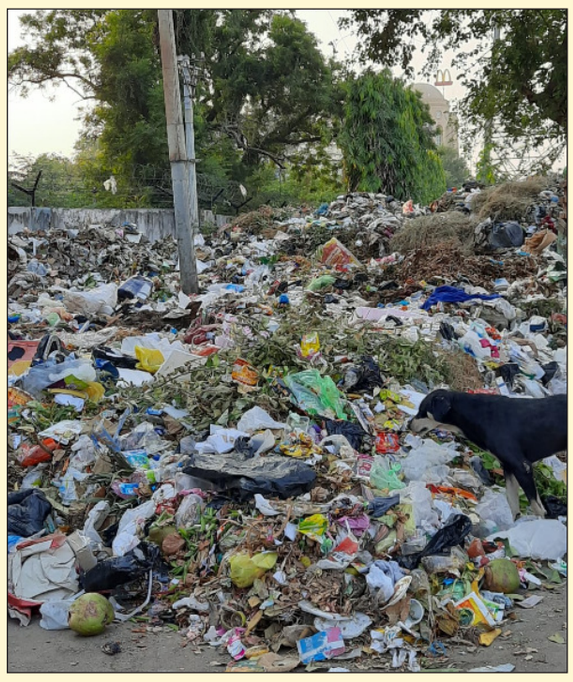

दखल

पाक की उकसावे की हद

पाकिस्तान लगातार सीमा पर फायरिंग कर रहा है और संयुक्त राष्ट्र में जाकर रोना रो रहा है। पाकिस्तान की यह दोमुंही चाल कोई पहली बार नहीं है। ऐसा वह हर बार करता आया है। भारत पर जितने आतंकी हमले हुए हैं, सबके आरोपी, दोषी और साजिशकर्ता पाक में खुले घूम रहे हैं। ऐसे में पाक आतंकियों के खिलाफ कोई कदम उठाएगा, इसकी उम्मीद करना बेमानी होगा।

विडंबना यह है कि एक ओर तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान क्षेत्र में अपनी मदद के लिए गुहार लगाता है, दूसरी ओर बिना किसी वजह के अचानक ही संघर्ष-विराम का उल्लंघन करने में भी उसे कोई हिचक नहीं होती। उसे शायद इस बात का खयाल तक नहीं होता कि अगर भारत अपनी गरिमा के मुताबिक संयम और धीरज नहीं दिखाए तो उसकी ऐसी हरकतों की वजह से युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है और उसके बाद पाकिस्तान को बेहद बुरे हालात का सामना करना पड़ सकता है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान ने गुरुवार को एक बार फिर संघर्ष-विराम की स्थिति का उल्लंघन किया और नियंत्रण रेखा के पास गोलीबारी की। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सेना के पोस्ट पर अचानक ही मोर्टार दाग कर उन्हें निशाना बनाया गया। नतीजतन, सेना के एक लांसनायक सहित तीन जवान शहीद हो गए। पाकिस्तान की यह आम फितरत रही है कि जब वह आंतरिक मोर्चे पर किसी मुश्किल में घिरता है तो उसकी सबसे पहली हरकत भारतीय सीमा के पार कोई अवांछित कार्रवाई होती है, ताकि दुनिया का ध्यान भटकाया जा सके।

गुरुवार को एक बार फिर पाकिस्तान की तरफ से संघर्ष-विराम की स्थिति का उल्लंघन किया गया और नियंत्रण रेखा के पास गोलीबारी की गई। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सेना के पोस्ट पर अचानक ही मोर्टार दाग कर उन्हें निशाना बनाया गया। नतीजतन, सेना के एक लांसनायक सहित तीन जवान शहीद हो गए, पांच जवान घायल हुए। हालांकि इसके बाद भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। विडंबना यह है कि एक ओर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान क्षेत्र में अपनी मदद के लिए गुहार लगाता है, दूसरी ओर बिना किसी वजह के अचानक ही संघर्ष-विराम का उल्लंघन करने में भी उसे कोई हिचक नहीं होती। उसे शायद इस बात का खयाल तक नहीं होता कि अगर भारत गरिमा के मुताबिक धीरज नहीं दिखाए तो उसकी ऐसी हरकतों की वजह से युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है और उसके बाद पाक को बेहद बुरे हालात का सामना करना पड़ सकता है। सवाल है कि आखिर वह किसे धोखा देने की कोशिश करता रहता है!

गौरतलब है कि 2003 में भारत और पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा पर युद्ध विराम का समझौता हुआ था। लेकिन इस मसले पर अब तक के इतिहास को देखते हुए ऐसा लगता है कि इस समझौते को बनाए रखने की जिम्मेदारी अकेले भारत ने उठा रखी है। यह किसी छिपा नहीं है कि बिना किसी संदर्भ के भी पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर का सवाल उठा कर वैश्विक समुदाय के सामने घड़ियाली आंसू बहाना शुरू कर देता है। लेकिन इस पर्दे में वह सीमा क्षेत्र में क्या करता है, इस पर दुनिया की नजर नहीं जा पाती। एक खबर के मुताबिक सिर्फ पिछले आठ महीनों में पाकिस्तान की ओर से तीन हजार से अधिक बार युद्धविराम का उल्लंघन किया गया है, जो पिछले 17 सालों में सबसे ज्यादा है। कल्पना की जा सकती है कि अगर भारत ने पाक की ऐसी गैरजिम्मेदाराना हरकतों के बरक्स दुनिया में शांति की वकालत करने और उसे निबाहने वाले एक जिम्मेदार देश की अपनी भूमिका नहीं बनाए रखता तो कैसे हालात पैदा हो सकते थे। हालांकि सीमा की रक्षा करना और संप्रभुता की गरिमा बचाना एक अनिवार्य स्थिति है, इसलिए भारत ने हर मौके पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और उसे उसकी हद बताई।

विडंबना है कि यह सब करते हुए पाकिस्तान को यह भी ध्यान रखने की जरूरत नहीं महसूस होती कि संघर्ष-विराम की सहमति की कुछ शर्तें होती हैं और उसकी कद्र करना दोनों पक्षों की जिम्मेदारी होती है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान जब भी किसी अंतरराष्ट्रीय दबाव से गुजरता है तब शांति और युद्ध-विराम की स्थिति बनाए रखने पर तो सहमत हो जाता है, लेकिन फिर जब अपनी सीमा या कब्जे वाले क्षेत्र के भीतर किसी उथल-पुथल या चुनौती का सामना करने लगता है, तब उसे किसी समझौते का ख्याल रखना जरूरी नहीं लगता। यह किसी से छिपा नहीं है कि फिलहाल पाकिस्तान अपने कब्जे वाले क्षेत्र में गिलगित-बाल्टिस्तान को पांचवें प्रांत का दर्जा देने से संबंधित किस गंभीर मुश्किल से गुजर रहा है। हालत यह है कि गिलगित-बाल्टिस्तान से भारत के पक्ष में उठती आवाजों को रोक पाना उसके लिए एक चुनौती बनती जा रही है। इसलिए पाकिस्तान अगर भारतीय क्षेत्र में संघर्ष-विराम का उल्लंघन करके लोगों का ध्यान बंटाने की कोशिश कर रहा है तो इसके निहितार्थ समझे जा सकते हैं।

लेकिन उसे यह याद रखने की जरूरत है कि भारत एक सीमा के बाद चुप नहीं बैठ सकता। हालांकि, पाक को इससे भी कोई फर्क पड़ेगा, कहा नहीं जा सकता। आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका सहित कई पश्चिमी देश लंबे समय से पाकिस्तान को चेतावनी देते रहे हैं। लेकिन हैरानी और चिंता की बात यह है कि पाकिस्तान पर इनका अब तक कोई असर नहीं हुआ है, बल्कि आतंकी सरगना पाकिस्तान में एकदम सुरक्षित हैं और मौज काट रहे हैं। अब यह तो स्पष्ट हो चुका है कि वैश्विक आलोचनाओं और दबावों के कारण पाकिस्तान भले कितने दावे करे कि वह आतंकी संगठनों पर कार्रवाई कर रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक उलट ही है।

कार्रवाई के नाम पर पाकिस्तान के कदम दिखावे से ज्यादा कुछ नहीं हैं। इसका ताजा सबूत यह है कि उसने आतंकी संगठनों के पाकिस्तान में मौजूद आकाओं के नाम अब तक काली सूची में नहीं डाले हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि अलकायदा, इस्लामिक स्टेट और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे बड़े आतंकी संगठनों की कमान पाकिस्तानी नागरिकों के हाथों में है और पाकिस्तानी जमीन से ही इन आतंकी संगठनों का संचालन हो रहा है। जाहिर है, पाकिस्तान ऐसा करके पूरी दुनिया को खुली चुनौती दे रहा है कि वह आतंकी संगठनों को पालना-पोसना बंद नहीं करेगा और अपना मिशन जारी रखेगा। आतंकी संगठनों और उनके सरगनाओं पर निगरानी रखने वाली संयुक्त राष्ट्र की टीम ने अपनी रिपोर्ट में इस बात को पुरजोर तरीके से रखा है कि जिन आतंकी सरगनाओं के नाम आतंकियों की सूची में होने चाहिए थे, उन्हें पाकिस्तान सरकार ने इस सूची से बाहर रख कर बचा लिया है।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के सरगना आमिर नूर वली महसूद को वैश्विक आतंकी घोषित किया जा चुका है, लेकिन उसे अभी तक पाकिस्तान सरकार ने काली सूची में नहीं डाला। पिछले साल जैश के सरगना मौलाना मसूद अजहर को भी वैश्विक आतंकी घोषित किया था, लेकिन तब भी पाकिस्तान ने उसके खिलाफ कोई ऐसी कार्रवाई नहीं की जो दूसरे आतंकी संगठनों के लिए सबक बनती। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अलकायदा सरगना उसामा बिन लादेन को शहीद बताया था। लादेन के खात्मे से यह भी साबित हो गया था कि उसे पाकिस्तान ने ही लंबे समय तक अपने यहां छुपा कर रखा हुआ था। यही पाकिस्तान अभी भी कर रहा है। भारत पर जितने आतंकी हमले हुए हैं, सबके आरोपी, दोषी और साजिशकर्ता पाक में खुले घूम रहे हैं। ऐसे में पाक आतंकियों के खिलाफ कोई कदम उठाएगा, इसकी उम्मीद करना बेमानी होगा।

विचार

आसानी से नहीं मानेगा चीन

लद्दाख में चीन ने जिस तरह का रवैया अपनाया हुआ है, वह उसकी मंशा को बताने के लिए काफी है, पर अभी ऐसा लगता है कि अब वह अपने अतिक्रमण का दायरा और विस्तृत करने की कोशिश में है या फिर विवाद की स्थिति बनाए रखना चाहता है।

भारत-चीन के बीच मई की शुरुआत से एलएसी पर तनाव जारी है। ऐसे में गतिरोध को कम करने के लिए पूर्वी लद्दाख सेक्टर में 12 अक्टूबर को कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता की जाएगी। अब तक दोनों पक्षों के बीच छह राउंड की कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता हो चुकी है। पिछले करीब पांच महीने से लद्दाख क्षेत्र में चल रहे विवाद के बीच चीन की ओर से जिस तरह की हरकतें जारी हैं, उससे साफ है कि उसकी मंशा समस्या को सुलझाने की कम, उसे और जटिल शक्ल देने की ज्यादा है। ऐसा लगता है कि किसी परोक्ष कारण से चीन या तो दुनिया का ध्यान दूसरी ओर भटकाए रखना चाहता है या फिर भारत की सहजता और शांति के लिए प्रतिबद्धता का फायदा उठा कर जबरन अतिक्रमण की कोशिश में लगा हुआ है। हालांकि ऐसे हर मौके पर भारत ने चीन के सामने जता दिया है कि बेजा दखल की कोशिशें कामयाब नहीं होंगी। यह छिपा नहीं है कि पिछले कई महीने से लद्दाख के इलाके में सीमा क्षेत्र का विवाद खड़ा करने के मकसद से चीन की ओर से किस तरह की अवांछित गतिविधियां जारी हैं और चीन ने कैसा रुख अख्तियार किया है।

यों सैन्य मोर्चे से लेकर कूटनीतिक स्तर पर भारत ने इसका सख्त और उचित जवाब दिया है, लेकिन चीन शायद किसी ऐसी आदत का शिकार हो गया लगता है, जिसके तहत वह विवाद और तनाव के हालात को बनाए रखना चाहता है। दरअसल, कुछ दिन पहले चीन के विदेश मंत्री ने एक बयान में कहा था कि वह 1959 में चीन की सरकार की ओर से प्रस्तावित वास्तविक नियंत्रण रेखा या एलएसी को मानता है। चीन के इस बयान में मनमर्जी है, जिसमें वह अपने एकतरफा प्रस्ताव को अंतिम मानता है और उसकी नजर में दूसरे पक्ष की राय या प्रतिक्रिया की अहमियत नहीं है। कोई भी संप्रभु देश खासतौर पर सीमा से संबंधित बेमानी प्रस्ताव की ऐसी एकतरफा व्याख्या को स्वीकार नहीं कर सकता। इसलिए स्वाभाविक ही भारत ने इस मसले पर सख्त प्रतिक्रिया दी है और चीन के इस रुख को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने वर्ष 1959 में एकतरफा रूप से परिभाषित तथाकथित वास्तविक नियंत्रण रेखा को कभी स्वीकार नहीं किया है और चीन सहित सभी अंतरराष्ट्रीय पक्ष इस बारे में जानते हैं। इसके साथ ही यह उम्मीद की गई है कि पड़ोसी देश तथाकथित सीमा की अपुष्ट एकतरफा व्याख्या करने से बचेगा। हालांकि लद्दाख को लेकर चीन ने जिस तरह का रवैया अपनाया हुआ है, वह उसकी मंशा को बताने के लिए काफी है, लेकिन ऐसा लगता है कि अब वह अपने अतिक्रमण का दायरा और विस्तृत करने की कोशिश में है या फिर विवाद की स्थिति बनाए रखना चाहता है। सवाल है कि आखिर चीन क्यों ऐसे मसले छेड़ रहा है, जिसका न केवल कोई आधार नहीं है, बल्कि इससे हालात और जटिल ही होंगे।

जेलों को सुधारने की जरूरत

ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिनमें जेलों में बंद कैदियों को चोरी-छिपे कई सुविधाएं या सामान मुहैया करा दिए जाते हैं, जिनके इस्तेमाल की उन्हें इजाजत नहीं होती। जाहिर है, जेल के भीतर अगर किसी कैदी को इस तरह गैरकानूनी तरीके से कोई सामान मिल जाता है तो इसमें जेल में ही तैनात किसी कर्मचारी या अधिकारी की मिलीभगत होती है। लेकिन ऐसे कामों में लिप्त कर्मचारी क्या यह नहीं सोच पाते कि जेल में सजा काट रहा अपराधी उन सुविधाओं का इस्तेमाल करके फिर किसी बड़े अपराध को अंजाम दे सकता है और उसमें उन्हें भी कठघरे में खड़ा किया जा सकता है? ताजा मामला राजधानी दिल्ली के मंडोली जेल से सामने आया है, जहां जेल में बंद नंदू गिरोह के कुख्यात बदमाश विकास बक्करवाला को अवैध तरीके से सिम उपलब्ध कराने के आरोप में वहां के हेड वार्डन को भी गिरफ्तार किया गया है।

खबर के मुताबिक जेल का हेड वार्डन एक सिम पहुंचाने के लिए दो हजार रुपए वसूलता था। उसी सिम के जरिए विकास जेल से ही कारोबारियों को रंगदारी के तौर पर लाखों रुपए पहुंचाने या फिर उनके परिवार को जान से मार डालने की धमकियां देता था। सवाल यह है कि अगर कोई कैदी किसी अपराध का दोषी साबित होने के बाद सजा काट रहा होता है, लेकिन उसे वहां से भी रंगदारी, वसूली, फिरौती या हत्या कराने या उसकी धमकी देने में कोई परेशानी या हिचक नहीं होती है तो यह किस तरह की जेल और सजा काटने की व्यवस्था है? दरअसल, जेल में कैदियों पर नजर रखने के लिए जिन कर्मचारियों या फिर अफसरों को बहाल किया जाता है, कई बार वही ऐसे अपराधियों के लिए सुविधा का जरिया बन जाते हैं। सजायाफ्ता कैदियों को अवैध तरीके से मोबाइल या कोई दूसरे ऐसे संसाधन रखने की इजाजत नहीं है।

जरूरत पड़ने पर जेल के फोन की व्यवस्था कराई जाती है। लेकिन वहां भी कुछ अपराधियों को न केवल मोबाइल, बल्कि मनचाहे तरीके से सिम हासिल करने में कामयाबी मिल जाती है तो इसमें जितना अपराध उनका है, उससे कम इसमें सहभागी होने वाले जेल के कर्मचारी का नहीं है। फिर एक गंभीर स्थिति यह है कि किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर सिम जारी करा कर किसी अपराधी को सौंप दिया जाता है तो उसका इस्तेमाल आपराधिक कामों में हो सकता है। ऐसे में जिस अन्य व्यक्ति के नाम पर सिम है, निर्दोष होने पर भी उसके कानूनी चपेट में आने की जिम्मेदारी कौन लेगा! विडंबना यह है कि नियमों के तहत तमाम सख्ती बरते जाने के दावे के बावजूद देश भर में अलग-अलग जेलों से

जेलों का मकसद अपराधियों को सुधारकर उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाना है। उन्हें अमानवीय हालात में रखकर हम उनमें सुधार की अपेक्षा नहीं कर सकते। मगर अभी ऐसा हो नहीं रहा है, क्योंकि जेलों में सुधार की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। क्षमता से कहीं ज्यादा कैदी जेलों में ठूंसकर रखे गए हैं और उन पर करोड़ों रुपया पानी की तरह खर्च हो रहा है।

गैरकानूनी रूप से कैदियों को सुविधा मुहैया कराने की ऐसी खबरें आती रहती हैं।

खासतौर पर राजनीतिकों के पास अपनी पैठ रखने वाले रसूखदार अपराधियों के पास मोबाइल-टीवी या आराम की दूसरी सुविधाएं होने या अन्य तरह की अवांछित गतिविधियों के बारे में कई बार खुलासा हुआ है। कुछ राज्यों की जेलों में कैदियों द्वारा मोबाइल के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए जैमर लगाने जैसे उपाय भी किए गए। सवाल यह है कि सरकार या प्रशासन की ओर से इतने उपाय करने के साथ इस पर भी गौर क्यों नहीं किया जाता कि जेलों के भीतर कैदियों को ये सुविधाएं कैसे मिल जाती हैं! जाहिर है, जेलों में बंद सजायाफ्ता कैदियों पर लगाम लगाने के साथ-साथ ज्यादा जरूरी वैसे कर्मचारियों या अफसरों के खिलाफ कार्रवाई करना है, जो अपराधियों के मददगार की भूमिका निभाते हैं। यह इसलिए भी कि परिसर से अगर अपराधी अपनी मंशा को बदस्तूर अंजाम दे पाता है तो यह तुलनात्मक रूप से ज्यादा गंभीर स्थिति है। भारत में जेलों की दशा सुधारने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की पहल से एक बार फिर उम्मीद जगी थी, मगर आज तक कुछ हुआ नहीं लगता है।

अदालत ने जेलों में कैदियों की बढ़ती तादाद, खासकर महिला कैदियों की संख्या और जेलों से जुड़ी अन्य समस्याओं पर विचार करने और सुझाव देने के लिए एक समिति बनाने को कहा था। भारत में जेलों की दुर्दशा और दिनोंदिन बिगड़ते हालात पर शीर्ष अदालत ने कई बार दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन जेलों में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाए। शीर्ष अदालत के निर्देशों के बावजूद कई राज्यों ने अभी तक पर्यवेक्षक नियुक्त नहीं किए हैं, जो नियमित रूप से जेलों का निरीक्षण करके यह सुनिश्चित करें कि उनमें सब कुछ नियम के अनुसार चल रहा है। हैरानी की बात है कि अदालत की इतनी सक्रियता के बाद भी जेलों में सुधार की रफ्तार मंद ही नहीं, एक तरह से बंद-सी है। जेलें सुधार गृह होती हैं, पर हकीकत इसके उलट है। आज जेलें अपराधियों का गढ़ बनी हुई हैं। जेलों में गैंगवार, हत्या जैसे अपराध अब आम हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि बड़े अपराधी जेल से ही आपराधों को अंजाम देते रहते हैं। जेलों में कैदियों तक मोबाइल फोन, हथियार और मादक पदार्थ पहुंचना आम है। यह जेलकर्मियों की मिलीभगत के संभव नहीं है। ये बातें जेलों में सुरक्षा से जुड़ी गंभीर खामियों की पोल खोलती हैं। कैदियों की बढ़ती तादाद एक बड़ी समस्या है। जेलों में बड़ी संख्या विचाराधीन कैदियों की है, जिन्हें मुकदमे की सुनवाई के दौरान दोषसिद्धि या दोषमुक्ति तक जेल में रहने को मजबूर होना पड़ता है।

इसकी मूल वजह कानूनी प्रक्रिया का लंबा और जटिल होना और अदालतों में मुकदमों का लंबे समय तक अटके रहना है। अदालतों पर भी मुकदमों का बढ़ता बोझ मामलों को जल्दी निपटाने में बड़ी बाधा है। भारत की जेलों में ऐसे कैदियों की संख्या सबसे ज्यादा है, जो छोटे-मोटे अपराधों में जेल में सिर्फ इसलिए बंद हैं कि उनके मुकदमों का निपटारा जल्द नहीं हो पा रहा। कई बार अपराधियों को तय सजा से ज्यादा वक्त जेल में बीत जाता है। भारत में कैदियों के अनुपात में जेलें काफी कम और छोटी साबित हो रही हैं। जितनी जेलें हैं उनमें ज्यादातर में कैदियों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हासिल नहीं हैं। देश की शायद ही कोई ऐसी जेल हो, जिसमें क्षमता से ज्यादा कैदी न हों। उत्तर प्रदेश की जेलों में क्षमता से 57 प्रतिशत अधिक बंदी हैं। प्रदेश की कुल सत्तर जेलों की क्षमता करीब 58 हजार है, जबकि उनमें 91 हजार से ज्यादा बंदी हैं। कई जेलों में हालात इतने बदतर हैं कि कैदी बैरकों में जानवरों की तरह रहने को मजबूर हैं।

संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत जेलों का रख-रखाव और प्रबंधन पूरी तरह से राज्य सरकारों का विषय है। पर दुर्भाग्य से कैदियों का मामला अब भी प्रशासन के लिए प्राथमिकता में नहीं है। आज आलम यह है कि कई जेलों में क्षमता से 150 फीसदी तक ज्यादा कैदी रखे गए हैं। उन्हें बुनियादी जरूरतों की चीजें भी मयस्सर नहीं हो पाती हैं और वे बेहद अमानवीय स्थितियों में रहते हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि जेलों का मकसद अपराधियों को सुधारकर उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाना है। उन्हें अमानवीय हालात में रखकर हम उनमें सुधार की अपेक्षा नहीं कर सकते। राज्य सरकारें जेलों को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएं।

ट्विटर

भारत एलएसी पर जारी तनाव को शांति से निपटाने का पक्षधर है। इसीलिए चाहता है कि बातचीत से मामला हल हो जाए। अगर चीन युद्ध की तरफ बढ़ेगा तो हम तैयार हैं।

हर्षवर्द्धन श्रंगला, विदेश सचिव

चीन से छह दौर की बातचीत हो चुकी है। एक बार भी वह गंभीर नहीं दिखा। तो बातचीत का क्या मतलब। यह सिर्फ समय की बर्बादी है। भारत को दूसरे विकल्प देखने होंगे।

कमर आगा, रक्षा विशेषज्ञ

सत्यार्थ

सभी के साथ करें प्रेम

अमेरिका के महान सेनापति थे, जनरल रॉबर्ट एडवर्ड ली। एक बार राष्ट्रपति जेफरसन ने उनसे उनके एक अधीनस्थ अधिकारी के बारे में राय मांगी। जनरल ली बोले-सर, निःसंदेह वह अधिकारी बेहद कुशल एवं जिम्मेदार व्यक्ति है और अपने कार्यों को पूर्ण समर्पण व निष्ठा के साथ करता है। उसको जो भी कार्य दिया जाए, वह उसे समय से पहले ही पूरा कर लेता है। यह सुनकर जेफरसन बेहद खुश हुए। उन्होंने उस अधिकारी को किसी योग्य पद के लिए चुनने का मन बन लिया। राष्ट्रपति के जाने के फौरन

बाद वहीं खड़े एक अधिकारी ली के पास आकर बोले- सर, मेरी समझ में यह बात नहीं आई कि आपने उस अधिकारी की बहुत तारीफ क्यों की? ली बोले-मैंने सही तो कहा है। वह सचमुच निष्ठावान व योग्य है। जो जैसा है, उसके बारे में वैसा ही तो कहा जाएगा। यह सुन कर अधिकारी और अधिक हैरान हो गया और बोला-सर, आप भलीभांति जानते हैं कि वह अधिकारी तो आपके प्रति शत्रुता का भाव एवं नकारात्मक विचार रखता है। इस पर ली बोले-तो क्या हुआ? राष्ट्रपति ने उस अधिकारी के बारे में मेरे विचार पूछे थे, मेरे बारे में उसके विचार नहीं पूछे थे। शत्रु अधिकारी को जब यह पता चला कि राष्ट्रपति के सामने उसके कार्य की बेहद प्रशंसा की गई है और यह प्रशंसा रॉबर्ट ली ने की है, तो वह बेहद लज्जित हुआ। इसके बाद तो उस अधिकारी ने ली के प्रति शत्रुता का भाव निकाल दिया व मन से भी अच्छा बन गया। इस प्रकार जनरल ली के विचारों ने एक प्रतिभाशाली व्यक्ति के मन से नकारात्मक विचारों और शत्रुता के भावों को हमेशा के लिए निकाल दिया। इससे हमें यही सीख मिलती है कि शत्रु को बल से नहीं, बल्कि विचारों से जल्दी हराया जा सकता है।

चीनी आक्रामकता को रोकने जुटेंगे चार देशों के मंत्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा के मुददे पर भारत अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) की मंत्री स्तरीय बैठक मंगलवार को जापान की राजधानी टोक्यो में होगी जिसमें आतंकवाद एवं चीन के आक्रामक रुख से निपटने के लिए आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने पर चर्चा होगी।

इस बैठक में अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, जापान के विदेश मंत्री तारो कोनो और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मैरिस पायने क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ रणनीति, साइबर प्रौद्यौगिकी और बेहतर आधारभूत संरचनाओं के मुद्दों पर विचार विमर्श करेंगे।

यह बैठक मुख्य रूप से चीन की आक्रामकता को विफल करने के लिए उठाए जाने वाले जरूरी कदमों पर केंद्रित होगी। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने कहा कि इस बैठक से कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल होंगी। मेज़बान जापान के विदेश मंत्री तोशीमिस्तु मोरेजी ने कहा कि क्षेत्रीय मुद्दों के अलावा बैठक में कोविड के बाद उभरी परिस्थितियों पर चर्चा होगी। उन्होने कहा कि क्षेत्रीय मुद्दों के मद्देनज़र चारों देशों के लिए अपनी चिंता जाहिर करने का ये सही समय है।

प्लाजमाक्लस्टर आयन प्रौद्योगिकी एयरप्यूफायर से कोरोना का निदान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईआईटी दिल्ली सहित दुनिया के 30 प्रमुख संस्थानों में द्वारा प्रमाणित प्लाजमाक्लस्टर आयन प्रौद्योगिकी वाला एयरप्यूरीफायर वायुजनित नोवेल कोरोना वायरस (सार्स कोव 2) को संपर्क में आने पर 30 सेकेंड में 90 फीसदी तक निष्क्रिय कर देता है।

इस प्रौद्योगिकी द्वारा कोरोना को निष्क्रिय किए जाने को लेकर जापान के नागासाकी और शिमने विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने अध्ययन किया है। यह अध्ययन सितंबर महीने में किया गया है और इस प्रौद्योगिकी आधारित उपकरण वाली कंपनी शार्प ने यह दावा किया है। इस प्रौद्योगिकी आधारित शार्प क्यूनेट जेनशनल एयरप्यूरीफायर का विपणन करने वाली डायरेक्ट सेलिंग कंपनी क्यूनेट लि. के दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय

निदेशक ऋषी चांडिओक ने कहा कि वर्तमान माहौल में यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और पूरी दुनिया की सरकारें कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रयासरत है। दुनिया के सबसे पहले इस प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने वाली कंपनी शार्प को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रौद्योगिकी 90 फीसदी कोरोना वायरस को निष्क्रिय कर देती है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020

राजद ने 30 प्रत्याशी तय किए पार्टी के दिग्गज भी मैदान में

पटना, (एजेंसी)। राजद ने भी सोमवार को पहले चरण को ले अपने तीस प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए। पार्टी के कई दिग्गजों के परिजनों (के टिकट फाइनल किए गए हैं। सिटिंग सीट पर भी राजद ने कुछ बदलाव किए हैं।

पार्टी के दिग्गजों के पुत्रों को भी टिकट: राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के पुत्र सुधाकर कुमार सिंह को राजद ने रामगढ़ से अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी के पुत्र राहुल तिवारी को शाहपुर से प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व विधायक व दुष्कर्म की सजा काट रहे राजवल्लभ यादव की पत्नी विभा देवी को राजद ने नवादा से टिकट दिया है। मोकामा से अनंत सिंह राजद के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। संदेश के विधायक अरुण यादव की पत्नी किरण देवी को टिकट दिया गया है। सोमवार को पूर्व सांसद रामा सिंह के राजद में एंट्री और उनकी पत्नी को महनार से टिकट दिए जाने की सूचना पर राजद कार्यकर्ताओं ने राबड़ी देवी के आवास के सामने जमकर हंगामा किया। उस वक्त राबड़ी आवास से निकल रहे प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की गाड़ी को भी कार्यकर्ताओं ने घेर कर हंगामा किया।

जेडी यू ने पहले चरण के लिए 32 प्रत्याशियों का किया ऐलान

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जनता दल यूनाइटेड ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। हालांकि, पार्टी ने अभी तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की है। राजग में भी सीट बंटवारे का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। जेडीयू ने अपने कोटे से जिन प्रत्याशियों के नाम तय किए हैं, उन्हें पार्टी मुख्यालय बुलाया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उन्हें टिकट दे दिया है। खास बात यह भी है कि पार्टी ने दागदार छवि के प्रत्याशियों को टिकट देने से परहेज किया है।

जद यू 32 सीटों पर लड़ेगा चुनाव: पहले चरण में विधानसभा की जिन 71 सीटों पर चुनाव होने हैं उनके लिए एनडीए में सीट शेयरिंग के तय फार्मूले के तहत जदयू ने सोमवार को अपने प्रत्याशियों को सिंबल देना आरंभ कर दिया। जदयू प्रथम चरण की 32 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। जदयू की 32 में 17 सीटें वैसी हैं जो 2015 में भी जदयू के पास थी। वहीं राजद की जीती हुई दस सीटें भी जदयू को मिल गई है। कांग्रेस की दो सीट, भाजपा की एक, रालोसपा की एक और एक निर्दलीय प्रत्याशी की सीट पर जदयू ने अपना प्रत्याशी दिया है। वहीं पहले चरण में अपने हिस्से की छह सीटें उसने हम को दी है। जदयू के तय प्रत्याशियों को सीएम आवास बुलाया गया और सीएम व अध्यक्ष नीतीश कुमार ने उन्हें सिंबल देकर चुनाव में जीत की शुभकामनाएं भी दीं।

चुनाव में डर से हत्या मामले में तेजस्वी को फंसा रहा जदयू

पटना, (एजेंसी)। राजद ने सोमवार को आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में अपनी हार को देखते हुए बौखलाहट में सत्तारूढ़ जद-यू राजद नेता रहे शक्ति मलिक हत्याकांड में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को फंसाने में लगा है। राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद मनोज झा ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में सोमवार को सम्मेलन में कहा कि प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को इस मामले में फंसाने के लिए सरकार के मुखिया नीतीश कुमार के इशारे पर सब किया जा रहा है। बगैर सत्ता संरक्षण के यह सब नहीं हो सकता। प्रतिपक्ष के नेता पर इस मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज हुई है। राजद दर्ज प्राथमिकी की प्रति और समन का इंतजार कर रहा है। उसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। श्री झा ने कहा कि जिस टेलीफोन नंबर की चर्चा विरोधियों की ओर से की जा रही है वह नंबर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास से 21 नवंबर 2016 को ही बीएसएनएल द्वारा हटा लिया गया था।

भाजपा के बुलावे पर सहनी दिल्ली पहुंचे

पटना, (एजेंसी) बिहार विधानसभा चुनाव में सम्मानजनक सीट नहीं मिलने से नाराज होकर महागठबंधन छोड़ चुकी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बुलावे पर सोमवार को दिल्ली पहुंच गए। वीआईपी सूत्रों ने यहां बताया कि भाजपा की ओर से पार्टी अध्यक्ष श्री सहनी को पहले भी बुलावा आया था, लेकिन महागठबंधन के एक अनुशासित घटक दल होने के नाते इस पर ध्यान नहीं दिया गया। अब बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में फिर से भाजपा की ओर से बुलावा आने पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सहनी दिल्ली रवाना हो गए हैं। सूत्रों ने बताया कि श्री सहनी की भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ दिल्ली में बातचीत चल रही है। अब संभावना जताई जा रही है कि वीआईपी राजग में शामिल हो सकती है। इस बीच लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के राजग से नाता तोड़ने और सत्तारूढ़ जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारने की घोषणा के बाद डैमेज कंट्रोल के तौर पर वीआईपी का राजग में शामिल कराया जा सकता है।

न्यूज

आज शाम पृथ्वी के काफी नजदीक होगा मंगल ग्रह

हैदराबाद, (एजेंसी)। अंतरिक्ष में मंगलवार को एक खगोलीय घटना के तहत मंगल ग्रह पृथ्वी के काफी नजदीक आएगा। यह खगोलीय घटना भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 47 मिनट पर होगी जिसमें मंगल ग्रह पृथ्वी से 6,20,83,116 किलोमीटर की दूरी पर आ जाएगा। पीएसआई के निदेशक एन श्री रघुनंदन कुमार ने बताया कि यह खगोलीय घटना 26 महीने के बाद होने वाली 'मार्स ऑपोजिशन टू सन' नामक खगोलीय स्थिति के कारण हो रही है। इस विचित्र खगोलीय घटना के तहत मंगल और सूर्य एक दूसरे के विपरीत होंगे। पृथ्वी की दृष्टि से यह तीनों ग्रह एक सीधी रेखा पर आ जायेंगे। जब भी कोई ग्रह सूर्य के विपरीत आता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रशीद मसूद का कोरोना से निधन

देहरादून, (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री काजी रशीद मसूद का सोमवार को उत्तराखंड के रुड़की स्थित एक निजी चिकित्सालय में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से उपचार के दौरान निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। वर्ष 1947 में 15 अगस्त को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद के अंतर्गत आने वाले गंगोह में जन्मे श्री मसूद कोरोना वायरस से संक्रमित थे और लगभग 25 दिन दिल्ली के अपोलो अस्पताल में उपचार के बाद उन्हें उत्तराखंड के रुड़की उपनगत स्थित उनके भतीजे के निजी चिकित्सालय में भर्ती किया गया था, जहां आज सुबह लगभग साढ़े नौ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। परिजन सुपुर्द-ए-खाक के लिए उनका शव सहारनपुर ले गए हैं। उल्लेखनीय है कि मसूद देश के पहले ऐसे सांसद रहे, जिन्हें उच्चतम न्यायालय द्वारा अपराधी घोषित किया गया। वह वर्ष 1990 और 1991 के बीच केंद्र की विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार में स्वास्थ्य राज्य मंत्री रहे।

प्रख्यात रंगकर्मी विलायत जाफरी का मुंबई में निधन

लखनऊ, (एजेंसी)। मुहब्बत तो सबने कभी न कभी, किसी न किसी से की होगी, लेकिन मुहब्बत की असल परिभाषा जाननी हो तो थोड़ा लखनऊ को समझ लीजिए। जैसे मुहब्बत में अपनी पहचान बरकरार रखते हुए प्रेमी एक-दूसरे में समा जाते हैं, जैसे गंगा और जमुना अलग दिखते हुए भी संगम में एक हो जाती हैं, वैसे ही लखनऊ भी है। लखनऊ की संस्कृति में रचे बसे विलायत जाफरी हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनकी शख्सियत और संस्कृति के प्रति उनका योगदान हमेशा हमारे बीच रहेगा। दो अक्टूबर 1935 को रायबरेली में जन्म लेने वाले विलायत जाफरी ने लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षा ली। भारत सरकार के सॉन्ग एंड ड्रामा डिवीजन में काम किया। वर्ष 1986 में लखनऊ आकाशवाणी केंद्र के निदेशक बने, उसके बाद वर्ष 1988 में दूरदर्शन लखनऊ केंद्र के निदेशक रहे।

सतर्क रहे! सुरक्षित रहे! कोरोना वायरस से सावधान रहे क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं। कोरोना को धोना हैं।

हाथरस गैंगरेप मामले में अब तक 19 मुकदमे दर्ज

संजय सिंह पर फेंकी स्याही राजनीतिक बवाल जारी

हाथरस ■ एजेंसी

हाथरस गैंगरेप मामले के बाद अब तमाम राजनीतिक दलों के नेता पीड़ित परिवार से मिलने पहुंच रहे हैं। इसी बीच आम आदमी पार्टी की तरफ से भी एक डेलीगेशन हाथरस पहुंचा, जिसमें पार्टी के सांसद संजय सिंह भी मौजूद थे। लेकिन मीडिया से चर्चा के दौरान एक शख्स दीपक शर्मा ने संजय सिंह की ओर काली स्याही फेंक दी। स्याही फेंके जाने के बाद वहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने उसे जमकर पीटा और बाद में पुलिस ने दीपक शर्मा का गिरफ्तार किया है, उसने स्याही फेंकने के दौरान पीएफआई की फंडिंग करने वालों वापस जाओ, वापस जाओ' के नारे भी लगाए।

दूसरी ओर अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने सोमवार को लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कहा, साजिशन इस मामले को तूल देने की कोशिश की गई। हाथरस की घटना की आड़ में यूपी दंगा और जातीय हिंसा फैलाने की साजिश रचने वालों का पर्दाफाश जल्द किया जाएगा।

कुमार ने कहा, हाथरस केस से जुड़े अब तक 19 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें 13 मुकदमे सोशल मीडिया पर माहौल खराब करने वालों के खिलाफ और 6 मुकदमे हाथरस में विभिन्न राजनीतिक दलों व कोविड 19 दिशा-निर्देशों का पालन न करने वालों, बिना अनुमति सभा करने वालों के खिलाफ दर्ज हुए हैं।

इधर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मानवेन्द्र सिंह की तरफ से लिखे गए पत्र कहा गया है कि हाथरस के आरोपियों का केस एपी सिंह लड़ेंगे। जिन्होंने निर्भया के बलात्कारियों का कोर्ट में कानूनी बचाव किया था।

सीएम योगी बोले, विदेशी फंडिंग से जातीय दंगा भड़काने की साजिश

हाथरस में 20 साल की युवती के साथ हुई दरिंदगी के मामले को रोज नया मोड़ दिया जा रहा है। अब इस पूरे मामले को विदेशी साजिश करार दे दिया गया है। साथ ही एक नई एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ खुद ये बात कही कि उन्हें और उनकी सरकार को बदनाम करने के लिए विपक्षी दलों और विदेशी ताकतों ने साजिश की है, जिसका वो पर्दाफाश करके रहेंगे।

आरोपियों से मिलने जेल पहुंचे बीजेपी सांसद राजवीर, सवाल उठे तो बोले- चाय पीने गया था

हाथरस से बीजेपी सांसद राजवीर सिंह दिलेर सोमवार को जिला जेल पहुंचे। विपक्ष ने इस पर आपत्ति की कि एक जनप्रतिनिधि को उस जेल में जाने से बचना चाहिए था, जहां हाथरस कांड के चारों आरोपी बंद हैं। वहीं दिलेर ने बताया कि वह जेलर के बुलावे पर उनके कार्यालय में चाय पीने गए थे। वह वहां किसी से मिलने नहीं गए थे। दिलेर ने कहा कि वह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात करने गए थे, लेकिन उनके कोविड संक्रमित होने पर बगैर मुलाकात लौट गए। इस दौरान जेल के ठीक सामने कुछ समर्थकों ने उन्हें रोका। वह उनसे बात कर ही रहे थे कि जेलर बाहर निकले और उन्होंने उन्हें चाय पीने कार्यालय में बुला लिया तो वह चले गए।

आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने एआई का प्रयोग

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर आयोजित एक ग्लोबल समिट को संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने मेगा वर्चुअल समिट रेज-2020 का उदघाटन किया। संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के साथ मनुष्य का टीम वर्क इस ग्रह के लिए काफी कुछ कर सकता है।

पीएम मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि भारत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का हब बने। कई भारतीय अभी इसपर काम कर रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि आने वाले वक्त में और भी लोग इससे जुड़ेंगे। मैं कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा के साथ-साथ अगली पीढ़ी के शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण करने ,ट्रैफिक जाम को कम करने, सीवेज सिस्टम में सुधार जैसे शहरी मुद्दों को संबोधित करने में एआई के लिए एक बड़ी भूमिका देखता हूं। इसका उपयोगआपदा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत बनाने के लिए किया जा सकता है। हमने 'रिस्पॉन्सिबल आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस फॉर यूथ' इसी साल अप्रैल में लॉन्च किया है। इसके तहत स्कूलों के 11,000 छात्रों ने बेसिक कोर्स पूरा किया। अब वे आर्टफिशयल इंटेलिजेंस से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार कर रहे हैं। भारत हाल में नई एजुकेशन पॉलिसी लेकर आया है। इसमें टेक्नॉलजी बेस्ट लर्निंग और स्किल तैयार करने पर काफी फोकस है।

डब्ल्यूएचओ का चौंकाने वाला दावा, हर 10 में से एक व्यक्ति कोरोना संक्रमित

जिनेवा, (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। डबल्यूएचओ की आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख ने कहा है कि दुनियाभर में प्रत्येक दस में से एक व्यक्ति कोरोना संक्रमित हो सकता है। कोरोना पर सोमवार को हुई 34 सदस्यीय कार्यकारी बोर्ड की बैठक में डॉ. माइकल रायन ने कहा कि शहरी और ग्रामीण इलाकों में संख्या में परिवर्तन हो सकता है, लेकिन अंततः इसका अर्थ यही है कि विश्व की बड़ी आबादी खतरे में है। उन्होंने कहा कि कोरोना की संख्या में बढ़ोतरी होती रहेगी, लेकिन ट्रांसमिशन को कम करने और जान बचाने के लिए उपकरण मौजूद हैं। कई मौतों को टाल दिया गया है और कई लोगों की जान बचाई जा सकती है।

विश्व की बड़ी आबादी खतरे में

रायन ने कहा है कि दक्षिण-पूर्व एशिया को कोरोना के मामलों में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है, यूरोप और पूर्वी भूमध्यसागर में मौतों में वृद्धि देखी जा रही है, जबकि अफ्रीका और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में स्थिति अधिक सकारात्मक थी। हमारे वर्तमान के सबसे बेहतर अनुमान यही बताते हैं कि दुनिया की दस फीसदी आबादी इस वायरस से प्रभावित हो सकती है। इस हिसाब से देखा जाए तो दुनिया की 7.6 बिलियन में 76 करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हो सकते हैं।

श्रीनगर में सोमवार को सुरक्षाकर्मी लाल चौक पर वाहनों की सुरक्षा जांच करते हुए । शहर के बाहर हथियार एवं गोला-बारूद की तस्करी की गुप्त सूचना पर यह विशेष जांच की गई थी। बता दें सोमवार को ही आतंकियों ने पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों की एक टुकड़ी पर हमला भी किया, जिसमें दो जवान शहीद हो गए।

कर्नाटक में 25 लाख की प्रतिबंधित दवा एमडीएमए जब्त

उडुपी, (एजेंसी)। सीबीआई की ख़ुफ़िया इकाई सीसीबी ने मणिपाल और उडुपी पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान चला कर मणिपाल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी के एक छात्र को प्रतिबंधित 498 एमडीएमए गोलियों के साथ शिंभरा ब्रिज से रविवार रात को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को कहा कि आरोपी की पहचान हिमांशु जोशी के रूप में हुई है, जो इन प्रतिबंधित दवाओं को बेचने के दौरान दबोचा गया। अपराध में शामिल छात्र की बाइक को भी जब्त किया गया है। उडुपी के पुलिस अधीक्षक विष्णुवर्धन ने कहा कि जांच चल रही है और बैन दवाओं को बेचने और खरीदने में शामिल अन्य युवकों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही हैं।

अमेरिका में दीर्घकालिक बेरोजगारी का सामना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका में कोविड-19 महामारी से उद्योगों के प्रभावित होने के कारण लाखों लोग बेरोजगारी का दंश झेल रहे है। बेरोजगारी का जो दौर शुरू हुआ वह हफ्तों से लेकर महीनों तक खींच गया और अब भी यह साफ नहीं है कि रोजगार मिलना फिर से कब शुरू होगा।

ऐसे ही संकट का सामना कर रहे लोगों में से एक मेगदालेना वालिऐंटे फ्लोरिडा में रहती हैं और कंसर्ट के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र से जुड़ी हैं। उन्होंने सोचा था कि इस वसंत उन्हें खूब काम मिलेगा लेकिन आज के हालात में वह यह सोचने को मजबूर हैं कि तीन दशक की मेहनत से बनाया उनका करियर क्या अब समाप्त हो गया है। मार्च तक उनके पास अनेक टूर एवं कार्यक्रमों की जिम्मेदारी थी लेकिन कार्यक्रम रद्द हो गए और परिस्थितियां बदल गईं।

अब वालिऐंटे बेरोजगारी भत्ते के भरोसे हैं। मनोरंजन के क्षेत्र से लेकर होटल, रेस्तरां, उच्च शिक्षा एवं विज्ञापन समेत कई अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में लोगों की नौकरियां गई हैं। अनेक लोग छह महीने या उससे भी अधिक समय से बेरोजगार हैं जो दीर्घावधि बेरोजगारी के दायरे में आता है और ऐसे में लोगों का कौशल कुंद पड़ जाता है तथा पेशेवर नेटवर्क भी प्रभावित होता है जिसके कारण लोगों के लिए नई नौकरी पाना कठिन हो जाता है।

6,61,000 नौकरियों का किया सृजन

मार्च तथा अप्रैल में महामारी के कारण बड़ी संख्या में व्यवसाय भी बंद हुए थे। सरकार ने कहा कि सितंबर में नियोक्ताओं ने 6,61,000 नौकरियों का सृजन किया। लेकिन महामारी के दौरान जो 2.2 करोड़ नौकरियां गई हैं उनमें से आधी से भी कम नौकरियां बहाल हो सकी हैं।

अस्पताल से निकलकर समर्थकों से मिले ट्रंप, वीडियो पोस्ट कर दिया सरप्राइज

राष्ट्रपति ट्रम्प रविवार को अपने समर्थकों से मिलने के लिए अस्पताल से कार से निकले और इकट्ठा भीड़ा को हाथ हिलाकर धन्यवाद दिया। राष्ट्रपति के दौरे के कुछ ही समय बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करने पर अपने समर्थकों को चौंका दिया जिसमें उन्होंने दोबारा मिलने का वादा किया। वीडियो में ट्रम्प ने कहा कि यह एक बहुत ही दिलचस्प यात्रा है। मैंने कोविड-19 के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मैंने इसे वास्तव में स्कूल जाकर सीखा है। यह असली स्कूल है। यह किताबों को पढ़ने वाला स्कूल नहीं है और यह एक बहुत ही दिलचस्प बात है।

उपलब्धि — सुपर मार्ट एएसडीई के लिए अमेरिकी कंपनी वॉलमॉर्ट से करीब 65 हजार करोड़ का सौदा

भारतीय मूल के भाई खरीदेंगे ब्रिटेन में कंपनी

लंदन ■ एजेंसी

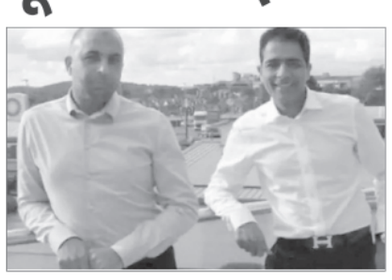

भारतीय मूल के कारोबारी भाई मोहसिन और जुबेर ब्रिटेन के सुपर मार्ट एएसडीई को अमेरिकी कंपनी वॉलमॉर्ट से खरीदेंगे। यह सौदा करीब 65 हजार करोड़ (8.8 अरब डॉलर) में होने की उम्मीद है।

ईसा भाइयों के माता-पिता 1970 में गुजरात से ब्रिटेन गए थे। दोनों भाई ब्रिटेन में पेट्रोल पंप की नामचीन चेन यूरो गराज के मालिक भी हैं। 71 साल पुराने इस सुपर मार्केट चेन की कमान 21 साल बाद फिर से ब्रिटेन के हाथों में आ जाएगी। भारतीय मूल के मंत्री ऋषि सुनक ने इसे बेहद खुशी का पल करार दिया है। गौरतलब है कि सुनक इंफोसिस के सह-संस्थापक एन. नारायण मूर्ति के दामाद हैं। ईसा भाई इस सुपर मार्केट को टीडीआर कैपिटल के साथ मिलकर खरीद रहे हैं। ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने इसका स्वागत करते हुए ट्वीट किया, लगभग दो दशक के बाद एस्डा में फिर से ब्रितानी मालिकों की बहुलांश हिस्सेदारी होगी। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हुं। सुनक ने कहा कि एस्डा के नए मालिकों ने कंपनी में अगले तीन साल के दौरान एक अरब ब्रिटेन पाउंड निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है, साथ ही ब्रिटेन स्थित आपूर्ति का हिस्सा बढ़ाने की बात भी कही है, मैं उन्हें इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं।

एस्डा में निवेश करने पर उन्हें खुशी

सौदे की जानकारी देते हुए वालमार्ट ने कहा कि एस्डा अपना मुख्यालय उत्तरी इंग्लैंड के लीड्स में बनाए रखेगी और कंपनी के सीईओ रॉजर बर्नले कंपनी का नेतृत्व करते रहेंगे। ईसा बंधुओं ने एक बयान में कहा कि एस्डा में निवेश करने पर उन्हें खुशी हुई है। यह एक प्रख्यात ब्रितानी कारोबार है जिसकी हम सालों तक तारीफ करते रहे।

पंजाब सरकार जल्द ही केंद्र की पुरानी वज़ीफा स्कीम की जगह 'एस.सी. पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम' की शुरुआत करेगी-कैप्टन

■ पटियाला/ब्यूरो

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने मंगलवार को ऐलान किया कि उनकी सरकार जल्द ही अनुसूचित जाति (एस.सी) के विद्यार्थियों के लिए नयी वज़ीफ़ा स्कीम की शुरुआत करेगी, जिनके साथ केंद्र सरकार ने पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम को अचानक ख़त्म करके बड़ा विश्वासघात किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नयी योजना कमज़ोर वर्गों के विद्यार्थियों को अलग-अलग कोर्सों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे वह भारत सरकार की तरफ से वज़ीफ़ा स्कीम वापस लेने के कारण वंचित रह गए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह स्कीम दोबारा शुरू करने हेतु प्रक्रियाधीन है जिससे अनुसूचित जाति से सम्बन्धित कोई भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री ने अगले डेढ़ साल में एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरियाँ देने सम्बन्धी अपनी सरकार के फ़ैसले को भी दोहराया, जिसमें 50,000 भर्ती मार्च, 2021 तक और बाकी 50,000 भर्ती इसके कार्यकाल के अंत तक की जाएगी।

वह पटियाले से छठे राज्य स्तरीय मेगा रोजगार मेले के समापन पर एक वर्चुअल प्रोग्राम को संबोधन कर रहे थे। उनके साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने रोजगाार के मौके पैदा करने के लिए राज्य सरकार के प्रमुख प्रोग्राम 'घर-घर रोजगाार और कारोबार' को 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में शामिल करने के लिए मार्ग दर्शन करने के लिए उनका (श्री राहुल गांधी) धन्यवाद भी किया।

कैप्टन अमरिन्दर ने संतोष जताया की उनकी सरकार ने स्कीम के अंतर्गत पिछले 3.5 सालों में रोजगार और स्व-रोजगार सेवाओं के द्वारा 13.42 लाख नौजवानों को नौकरियों के मौके प्रदान किये हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 50,000 सरकारी और 4.04 लाख प्राईवेट नौकरियाँ नौजवानों को दी गई हैं, इसके अलावा लगभग 8.80 लाख नौजवानों को स्व -रोजगार की सुविधाएं दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को बताया कि माइक्रोसॉफ्ट जैसे प्रसिद्ध बहु-राष्ट्रीय कॉर्पोरेट और ट्राइडेंट, गुरू गोबिन्द सिंह रिफाईनरी (एच.पी.सी.एल.-मित्तल एनर्जी लिमिटेड), बठिंडा समेत भारत की अन्य प्राईवेट कंपनी ने पंजाब के नौजवान को रोजगार मुहैया करवाने में अहम भूमिका निभाई है। इस विलक्षण स्कीम के द्वारा नौजवानों के लिए रोजगार की सुविधा मुहैया करवाने सम्बन्धी कैप्टन अमरिन्दर सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रत्येक सरकार का यह फर्ज़ बनता है कि वह नौजवानों को नौकरियों के मौके प्रदान करे।

नौजवानों को बड़ी पूँजी बताते हुए उन्होंने कहा कि नौजवानों के लिए रोजगार के मौके उनकी किस्मत को बदल सकते हैं और देश को विकास की बुलन्दियों पर ले जा सकते हैं परन्तु ऐसा न होने की सूरत में यह जवानी त्रासदी की तरफ चली जायेगी। उन्होंने पंजाब को मेहनतकश, शांतमयी और कुशल कामगारों वाला अगुआ राज्य बताया जो मानवता के प्राथमिक नैतिक मूल्यों को बनाए हुए है।

राहुल गांधी ने कहा कि मुख्य रूप में कृषि अर्थ व्यवस्था होने के बावजूद पंजाब एक बार छोटे और मध्यम उद्योग के क्षेत्र में देश का नेतृत्व कर चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य की पिछली अकाली-भाजपा सरकार ने उसी तरह कृषि को तबाह किया था, जैसे वह अब कृषि को तहस-नहस करने की कोशिशें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने पंजाब में छोटी और सूक्ष्म औद्योगिक इकाईयों को प्रफुल्लित करना जारी रखा है जोकि रोजगार पैदा करने सम्बन्धी बड़ी संभावना रखते हैं। उन्होंने बताया कि

> "छठे मेगा रोजगार मेले के समापन के समय राहुल गांधी द्वारा नौजवानों के रचनात्मक निर्माण के लिए राज्य सरकार की पहलकदमियों की प्रशंसा"

माइक्रोसॉफ्ट जैसी विश्व प्रसिद्ध कंपनी ने भी एक छोटी सी कंपनी के तौर पर अपना सफ़र शुरू किया था और पंजाब की ये छोटी इकाईयाँ भी उन्नतीशील और मेहनती नौजवानों के नेतृत्व में बड़ी कंपनियाँ बनेंगी।

राहुल गांधी ने देश में संतुलित आर्थिक विकास को यकीनी बनाने के लिए कृषि और उद्योग में पूर्ण तालमेल पैदा करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि के घातक कानूनों को लाने की बजाय केंद्र को कृषि के सर्वपक्षीय विकास को यकीनी बनाने के लिए बढ़िया बुनियादी ढांचा और प्रणाली तैयार करके किसानों की सहायता करनी चाहिए थी।

उन्होंने कहा कि सरकार को अनाज के बढ़िया और वैज्ञानिक भंडारण के लिए मंडियों और सिलोज़ की बढ़िया और सभ्य प्रणाली मुहैया करवा कर किसानों की भलाई की तरफ ध्यान देना चाहिए

इस दौरान भारत में माइक्रोसॉफ्ट की कंपनी की प्रमुख सोनीया सहगल, ट्राइडेंट ग्रुप की चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरैक्टर रजिन्दर गुप्ता और एच.पी.सी.एल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एच.एम.ई.एल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभदास ने बेरोजगार नौजवानों को जीवन-निर्वाह मुहैया करवाने के मौकों में पंजाब सरकार को दिए अपने सहयोग के तजुर्बे साझे किये। श्री प्रभदास ने कहा कि एच.एम.ई.एल अपने वित्तीय सहायता प्राप्त प्रोग्राम के द्वारा 50,000 नौजवानों को केंद्र और राज्य सरकार की नौकरियाँ हासिल करने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण दे रहा है।

बरनाला में 2500 लड़कियों के लिए विशेष आवासीय प्रशिक्षण प्रोग्राम की शुरुआत करने के लिए ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरैक्टर रजिन्दर गुप्ता द्वारा पहलकदमी की प्रशंसा करते हुए कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि यह प्रयास लड़कियों को सुरक्षित रोजगार के मौके प्रदान करके उनके सशक्तिकरण में सहायक होगा।

इस मौके पर अमनदीप कौर और साहिल शर्मा ने मुख्यमंत्री के साथ बातचीत की और 24-30 सितम्बर तक राज्यभर में आयोजित छठे राज्य स्तरीय मेगा रोजगार मेले के द्वारा नौकरी प्राप्त करने के अपने तजुर्बे साझे किये। फ़ैशन टेक्नोलॉजी में पोस्ट ग्रैजुएट अमनदीप कौर को पातड़ां के एक प्रमुख प्राईवेट स्कूल में आर्ट एंड क्राफ्ट अध्यापक नियुक्त किया गया है और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टैक साहिल शर्मा ने टेक महिन्द्रा में नौकरी प्राप्त की है।

इससे पहले अपने स्वागती भाषण में तकनीकी शिक्षा एवं रोज ?ार उत्पत्ति मंत्री चरनजीत सिंह चन्नी ने कहा कि छठे राज्य स्तरीय मेगा रोज ?ार मेले के दौरान प्राईवेट क्षेत्र की 1.43 लाख नौकरियों की पेशकश की गई थी और नौकरी की खोज करने वाले 93,593 नौजवानों को नौकरियाँ दी गई हैं। लगभग रोजगार के इच्छुक 9.5 लाख नौजवानों को 'घर-घर रोजगार' पोर्टल के द्वारा रजिस्टर्ड किया गया। श्री चन्नी ने आगे कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से 15 अक्तूबर, 2020 से 15 दिसंबर, 2020 तक मेगा रोजगार लोन मेले करवाए जाएंगे जिससे नौजवानों को कर्ज़े की सुविधा मुहैया करवा कर स्व-रोजगार के उद्यमों को बढ़ावा दिया जा सके।

इस मौके पर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पंजाब मामलों के प्रभारी हरीश रावत, कैबिनेट मंत्री ब्रह्म मोहिन्द्रा, राणा गुरमीत सोढी और विजय इंदर सिंगला, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान सुनील जाखड़ और पटियाला से संसद मैंबर परनीत कौर उपस्थित थे।

8112 नौजवानों की प्लेसमेंट के साथ रोज़गार दिलाने में जालंधर पंजाब में तीसरे स्थान पर-सोनी

कैबनिट मंत्री ओपी सोनी ने की जालंधर में छठे मेगा रोज़गार मेले के समाप्ति समारोह की अगुवाई

■ जालंधर/रवि

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा चलाए गए घर-घर रोजगार मिशन प्रोग्राम के अंतर्गत जालंधर जिले ने इस साल सितम्बर महीने में लगाए गए 20 रोजगार मेलों में 8112 बेरोजगार नौजवानों को रोजगार के अवसर प्रदान करवा कर राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह और कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की अध्यक्षता में 6वें राज्य स्तरीय रोजगार मेले के वर्चुअल समाप्ति समारोह में हिस्सा लेते हुए मैडीकल शिक्षा मंत्री पंजाब ओपी सोनी ने रोजगार हासिल करने वाले जालंधर के 8112 नौजवानों और पूरे राज्यों के 93000 नौजवानों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उनके साथ विधायक रजिन्दर बेरी, अवतार सिंह जूनियर बावा हेनरी, चौधरी सुरिन्दर सिंह, मेयर जगदीश राज राजा, डिप्टी कमिशनर घनश्याम थोरी, ए.डी.सी. (डी) विशेष सारंगल भी मौजूद थे।

सोनी ने राज्य सरकार के नौजवानों को रोजगार के और अवसर उपलब्ध करवाने के दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए कहा कि नौजवान किसी भी देश की धरोहर होते हैं और अगर उनको सही मौका मिले तो वे राज्य की तरक्की में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

मंत्री ने बताया कि सितम्बर महीने में लगे 6वें मेगा रोजगार मेले के दौरान कुल 93593 नौजवानों को प्लेसमेंट मिली है, जिसमें से जालंधर की तरफ से 8112 उम्मीदवारों को

रोजगार के अवसर प्रदान किये गए। उन्होंने बताया कि जिले में अलग-अलग कंपनियों द्वारा 14947 नौकरियों की पेशकश की गई थी और कुल 5999 पुरुष और 2112 महिला उम्मीदवारों और एक दिव्यांग व्यक्ति ने रोजगार मेलें में प्लेसमेंट प्राप्त की है। सोनी ने कहा कि जिला रोजगार और कारोबार ब्यूरो ने अलग -अलग स्थानों पर 20 ऑनलाइन और व्यक्तिगत तौर पर रोजगार मेले लगाए और हर नौजवान के नौकरी के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इन 20 रोजगार मेलों में कुल 502 कंपनियों और 10205 नौजवानों ने हिस्सा लिया। बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने बताया कि सरकारी मैडीकल कालेज मोहाली इस साल शुरू हो जायेगा क्योंकि इस इमारत का निर्माण पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि होशियारपुर और कपूरथला में दो और मैडीकल कालेज स्थापित किये जा रहे हैं और राज्य सरकार द्वारा इन कालेजों के लिए 50 -50 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इन तीनों ही कालेजों पर कुल 975 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। राज्य में नौकरियों के और अधिक अवसर पैदा करने के लिए राज्य सरकार की वचनबद्धता को दोहराते हुए सोनी ने कहा कि मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अगले साल एक लाख सरकारी नौकरियां लेकर आएंगी, जो राज्य में बेरोजगारी की दर को घटाने में सहायक सिद्ध होंगी।

इस अवसर पर कांग्रेसी नेता सुखविन्दर सिंह लाली, डिप्टी डायरैक्टर जिला रोज़गार और कारोबार ब्यूरो जसवंत राय भी मौजूद हैं।

धान की 57.75 खरीद और लिफ्टिंग में जालंधर प्रदेश में पहले स्थान पर-घनश्याम थोरी

■ जालंधर/रवि

किसानों की फसल के दाने-दाने की खरीद और लिफ्टिंग को यकीनी बनाते हुए जिला जालंधर ने राज्य में मौजूदा खरीद सीजन के दौरान धान खरीद और लिफ्टिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस बारे जानकारी देते हुए डिप्टी कमिशनर घनश्याम थोरी ने बताया कि जिले में खरीद एजेंसियों ने किसानों द्वारा समूची 149 मंडियों में लाई गई फसलों में से 57.76 प्रतिशत धान की खरीद और लिफ्टिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जालंधर का औसत प्रतिशत राज्य के प्रतिशत की मुकाबले कहीं अधिक है। डिप्टी कमिश्नर ने आधिकारियों को मंडियों में फसल आने के 48 घंटों में लिफ्टिंग को यकीनी बनाने और खरीद के हर पड़ाव में किसानों की सहायता करने के निर्देश दिए । थोरी ने आगे बताया कि अब तक जिले की खरीद एजेंसियों ने 68458 मीट्रिक टन (एमटी) धान की खरीद और कुल 39543 मीट्रिक धान की लिफ्टिंग की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिला प्रशासन कोरोना वायरस महामारी के मद्देन ?र सुरक्षा सावधानियों का पालन करते हुए धान की तुरंत और निर्विघ्न खरीद को यकीनी बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगा । उन्होंने आधिकारियों को मंडियों में पीने वाले पानी, शौचालयों की सुविधा, सैनीटाईजर और सामाजिक दूरी के नियमों को लागू करने को यकीनी बनाने के निर्देश दिए। डिप्टी कमिश्नर ने आधिकारियों को पूरे सीजन के दौरान किसानों की सहायता करने के अलावा इस रैंकिंग को कायम रखने के लिए भी कहा। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि वह जिले में खरीद, लिफ्टिंग और अदायगी प्रक्रिया की निजी तौर पर निगरानी करेंगे और रोजमर्रा की खरीद की समीक्षा करेंगे।

अश्विन ने कहा ,'' हमारे पास बहुत अच्छी टीम है और जीत में सभी योगदान दे रहे हैं। हमारी शुरूआत अच्छी रही और इस मैच में पहली बार मैने चार ओवर पूरे डाले।

स्पोर्ट्स प्लैनट

इस कारण दिल्ली कैपिटल्स से हारा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, डिविलियर्स ने बताई बड़ी वजह

■ दुबई/ब्यूरो

कप्तान विराट कोहली की ही तरह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का भी मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनकी टीम अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर सकी जिसकी वजह से 59 रन से हार झेलनी पड़ी। दिल्ली कैपिटल्स ने चार विकेट पर 194 रन बनाये जिसमें आरसीबी के लचर क्षेत्ररक्षण का बड़ा योगदान रहा। बाद में लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी के बल्लेबाज नौ विकेट पर 137 रन ही बना सके। डिविलियर्स ने कहा ,'' दिल्ली कैपिल्टस को पूरा श्रेय जाता है।उन्होंने पहले छह ओवर में शानदार शुरूआत की लेकिन हमने वापसी की। हमें विकेट का फायदा उठाना चाहिये था लेकिन रक्षात्मक गेंदबाजी की।'' युजवेंद्र चहल ने मार्कस स्टोइनिस का कैच टपकाया जिन्होंने 26 गेंद में 53 रन बना डाले। डिविलियर्स ने कहा ,'' उन्होंने वाकई अच्छी बल्लेबाजी की। हमारे पास दबाव बनाने का मौका था लेकिन हम अपने कौशल का प्रदर्शन ही नहीं कर सके। हमने कैच छोड़े और क्षेत्ररक्षण भी खराब रहा। बल्लेबाजी भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही। यह एक खराब दिन था।''

उन्होंने पहले बल्लेबाजी के कप्तान विराट कोहली के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें लगा दूसरे

हाफ में ओस की भूमिका होगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पिछले 12 साल संघर्ष करने के बाद दिल्ली खिताब की प्रबल दावेदार लग रही है और अनुभवी आफ स्पिनर आर अश्विन ने इसका श्रेय टीम प्रयासों को दिया। पांच में से चार मैच जीतकर दिल्ली अंकतालिका में शीर्ष पर है। अश्विन ने कहा ,'' हमारे पास बहुत अच्छी टीम है और जीत में सभी योगदान दे रहे हैं।हमारी शुरूआत अच्छी रही और इस मैच में पहली बार मैने चार ओवर पूरे डाले। हर कोई योगदान दे रहा है लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश है।'' उन्होंने 'बेंच स्ट्रेंथ' की तारीफ करते हुए कहा ,'' अक्षर हमेशा अच्छी गेंदबाजी करता है। इस टीम की यही खूबी है कि जब मेरे कंधे में चोट थी तो अमित मिश्रा ने जिम्मेदारी बखूबी निभाई और अब अमित चोटिल है तो अक्षर उसकी भूमिका निभा रहा है। अमित की कमी हमें खलेगी लेकिन हमारी बेंच स्ट्रेंथ काफी मजबूत है।

कोहली ने गेंद पर लगाई लार, तुरंत हुआ गलती का अहसास, तेंदुलकर ने दी प्रतिक्रिया

■ दुबई/ब्यूरो

आईपीएल 2020 में रॉयल चैलेंजर बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में फील्डिंग के दौरान आईसीसी के गेंद पर लार न लगाने के नियम का उल्लंघन कर गए। हालांकि, उन्हें अपनी गलती का तुरंत अहसास हो गया और उन्होंने हाथ उठाकर संकेत दिया कि उन्हें गलती पता चल गई है। घटना दुबई इंटरनेशलन स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स की पारी के तीसरे ओवर की है। पृथ्वी शॉ बल्लेबाजी और नवदीप सैनी गेंजबाजी कर रहे थे। विराट कोहली शॉर्ट कवर पर फील्डिंग कर रहे थे। सैनी की तीसरी गेंद पर शॉ ने ड्राइव शॉट खेला। हालांकि, कोहली ने तेजी से आ रही गेंद को रोका लेकिन उस पर लार लगा दी। हालांकि, कोहली को अपनी गलती का तुरंत अहसास हो गया था और उन्होने हाथ उठाकर इसे स्वीकार किया। शॉ के इस शानदार शॉट और कोहली की बेहतरीन फील्डिंग को देखकर दिग्गज क्रिकेटर रहे सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया और दोनों की प्रशंसा की। लार लगाने की

घटना को उन्होंने आदतन बताया। सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया, शॉ ने क्या अविश्वसनीय शॉट खेला। गेंद पर लार लगाने के बाद कोहली की प्रतिक्रिया देखने लायक थी। कभी कभी सहज प्रवृति सामने आ जाती है। बता दें कि आईसीसी ने कोविड-19 महामारी के कारण इस साल जून में गेंद को चमकाने के लिये लार के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे पहले पिछले सप्ताह राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते समय गेंद पर लार लगा दी थी। इस खेल की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, अगर कोई खिलाड़ी गेंद पर लार लगाता है तो अंपायर इस स्थिति से निपटेंगे और इस नई प्रक्रिया से तालमेल बिठाने के शुरुआती चरण के दौरान खिलाड़ियों के साथ उदारता बरतेंगे लेकिन आगे इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होने पर टीम को चेतावनी दी जाएगी। आईसीसी की ओर से जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि एक टीम को प्रत्येक पारी में दो बार चेतावनी जारी की जा सकती है लेकिन गेंद पर लार के लगातार उपयोग पर पांच रन की पेनाल्टी लगाई जाएगी। इसके साथ ही जब भी गेंद पर लार का उपयोग किया जाएगा तब अंपायरों को गेंद साफ करनी होगी।

जलाओ नहीं कमाओ- पराली बिजली उत्पादन प्लांट को बेचकर अच्छी कमाई कर रहे हैं किसान

किसानों को मशीन खरीदने पर दी जा रही 50 प्रतिशत सब्सिडी-घनश्याम थोरी

■ जालंधर/रवि

जालंधर प्रशासन की तरफ से किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसानओं के खिलाफ जागरूक करने के लिए किये जा रहे ठोस प्रयासों के फलसवरूप बहुत से किसानों ने पराली जलाने की बजाय इससे पैसे कमाने का ढंग खोज लिया है।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि पिछले साल ज़िले के पास रेक्स समेत सिर्फ 20 बेलर मशीने थी और इस साल सरकार की 50 प्रतिशत सब्सिडी स्कीम अधीन किसानों को 12 अन्य बेलर मशीनें दीं गई हैं। उन्होंने बताया कि यह मशीन एक दिन में 20 से 25 एकड़ धान की पराली को बेल देती है और एक एकड़ में 25 से 30 क्विंटल पराली निकलती है।

उन्होंने बताया कि पराली की यह गांठें बिजली उत्पादन प्लांट की तरफ से 135 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदीं जा रही है। उन्होंने

जालंधर के पास पराली के उचित प्रबंधन में सहायक 32 बैलर मशीनें

कहा कि प्रशासन द्वारा इस मशीन को किसानों में लोकप्रिय बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है जिससे अन्य किसान भी पराली को जलाने की बजाय इसे आमदनी का साधन बना सकें।

थोरी ने बताया कि नकोदर के गांव बीड में स्थापित 6 मेगावाट की सामर्थ्य वाला बिजली उत्पादन यूनिट 30000 एकड़ में पराली का प्रबंधन कर रहा है और यह प्लांट 24 घंटे काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्लांट की 75000 टन धान की पराली का सामर्थ्य है।

कंगन गांव के किसान मनदीप सिंह ने बताया कि वह नकोदर के गांव बीड में स्थापित बिजली उत्पादन यूनिट को लगभग 20,000 क्विंटल धान की पराली बेच रहा है और पराली की गांठें बनाने के बाद 135 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब के साथ बेच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि धान की पराली उनकी कमाई का स्थायी साधन बन गई है और उसे देखते हुए इलाको के अन्य किसान भी आगे आए हैं और पराली बेचने के लिए तैयार हैं।

इस तरह गांव मियांवाल आराय के मेजर सिंह ने बताया कि लगभग 3 टन पराली प्रति एकड़ पैदा की जा रही है और प्लांट उनको गांठें बनाने के बाद प्रति क्विंटल 135 रुपए की अदायगी कर रहा है।

मुख्य कृषि अधिकारी डा. सुरिन्दर सिंह ने कहा कि किसानों को कटाई वाले खेत में रीपर चलाना पड़ेगा और बाद में रेक्स वाली एक छोटी सी मशीन बिखरी हुई पराली को कतार में डाल देती है और आखिर में बेलर गांठें बनाना शुरू कर देता है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor: ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.